

प्रेषक,

निदेशक,

रस्थानीय निकाय, उ0प्र०

इन्दिरा भवन, लखनऊ

सेवामें,

1— समस्त नगर आयुक्त,
नगर निगम, उ0प्र०

2— महाप्रबन्धक,
जल संस्थान, बांदा / झांसी

3— समस्त अध्यक्ष / अधिशासी अधिकारी,
नगर पालिका परिषदें / नगर पंचायतें, उ0प्र०

संख्या : एक/103 / 11-रा। निर्देशक/अधीक्षि/रपति/वैठा।/08. लखनऊ: दिनांक: मई २५, 2011

विषय: वेतन समिति उ0प्र० (2008) के नवम प्रतिवेदन भाग-1 में दी गयी संस्तुतियों पर लिये गये निर्णयानुसार नगरीय स्थानीय निकायों/जल संस्थानों के चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के पदों पर पुनरीक्षित वेतन संरचना में अनुमन्य वेतन बैण्ड एवं ग्रेड वेतन के संशोधन / उच्चीकरण के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या 211/नौ-1-11-157 सा/2009, दिनांक 08 फरवरी, 2011 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। वेतन समिति उ0प्र० (2008) की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णयानुसार शासनादेश संख्या-609/9-1-08-21सा/09, दिनांक 27 फरवरी, 2009 द्वारा नगरीय स्थानीय निकायों एवं जल संस्थान के रूपये 2550-3200, रूपये 2610-2540 एवं रूपये 2650-4000 के वेतनमान के पदों पर पुनरीक्षित वेतन संरचना में अनुमन्य कराये गये वेतन बैण्ड-1 एस रूपये 4440-7440 एवं ग्रेड वेतन रूपये 1300, रूपये 1400 एवं 1650 के स्थान पर वेतन बैण्ड-1 रूपये 5200-20200 एवं ग्रेड वेतन रूपये 1800 दिनांक 01 जनवरी, 2006 से काल्पनिक आधार पर अनुमन्य कराते हुए उसका वास्तविक लाभ/नकद भुगतान तत्कालिक प्रभाव से (दिनांक 08 सितम्बर 2010) से इस प्रतिबन्ध के अधीन किया जायेगा कि इससे आने वाले अतिरिक्त व्ययभार को सम्बन्धित निकाय अपने स्रोतों से वहन करेंगे और इस हेतु शासन से कोई अतिरिक्त धनराशि का मांग नहीं की जायेगी।

2— इस संबंध में यह भी निर्देशित किया जाता है कि भविष्य में चतुर्थ श्रेणी के किसी भी पद पर (कनिष्ठ वर्ग के प्राविधिक पदों को छोड़ कर) नियुक्ति नहीं की जायेगी तथा चतुर्थ श्रेणी के रिक्त होने वाले पदों के संबंध में केवल आउट सोर्सिंग के माध्यम से व्यवस्था की जायेगी, परन्तु उक्त व्यवस्था उत्तर प्रदेश सेवा काल में मृत्यु सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली 1974 के अन्तर्गत समूह "घ" के पदों पर की जाने वाली नियुक्ति के संबंध में लागू नहीं होगी।

3— उपर्युक्तानुसार उच्चीकृत/संशोधित वेतन बैण्ड-1 रूपये 5200-20200 एवं ग्रेड वेतन रूपये 1800 में संबंधित कार्मिक का वेतन निर्धारण वित्त विभाग के शासनादेश संख्या—वैठा।0-2-1318/दस-59(एम)/2008, दिनांक 08 दिसम्बर 2008 तथा तत्काल में समय समय पर निर्गत अन्य शासनादेशों में वर्णित व्यवस्था के अनुसार किया जायेगा।

भवदीया,

Complex 27/5/11
(कु0 रेखा गुप्ता)
निदेशक

संख्या एवं तिथि तदैव

प्रतिलिपि प्रमुख सचिव, नगर विकास अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन को शासनादेश संख्या 211/नौ-1-11-157 सा/2009, दिनांक 08 फरवरी, 2011 के कम में सूचनार्थ प्रेषित।

2— प्रतिलिपि समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र० को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(कु0 रेखा गुप्ता)
निदेशक

प्रेषक,

आलोक रंजन,
प्रमुख सचिव
उ०३० शासन।

संवा. मे.

निदेशक,
स्थानीय निकाय,
उ०३० लखनऊ।

नगर विकास अनुभाग- १

लखनऊ दिनांक ०८/ फरवरी, 2011

विषय : देशम समिति, उ०३० (2008) के नवम प्रतिवेदन भाग-१ में दी गयी संस्तुतियों पर लिये गये निर्णयानुसार नगरीय स्थानीय निकायों/जल संस्थानों के चतुर्थ श्रेणी संरक्षा के पदों पर पुनरीक्षित वेतन सरदान में अनुमत्य वेतन बैण्ड एवं घोड़ वेतन के संशोधन / छप्पनकारण के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वेतन समिति उ०३० (2008) की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णयानुसार शासनादेश स०-६०९/९-१-०८-२१ सा/०९, दिनांक २७ फरवरी, २००९ द्वारा नगरीय स्थानीय निकायों एवं जल संस्थान के रूपये २५५०-३२००, रुपये २६१०-३५४० एवं रुपये २६६०-४००० के वेतनमान के पदों पर पुनरीक्षित वेतन सरदान में अनुमत्य कराये गये वेतन बैण्ड-१ एवं रुपये ४४४०-७४४० एवं घोड़ वेतन रुपये १३००, रुपये १४०० एवं रुपये १६५० के रूपाने वेतन बैण्ड-१ रुपये ५२००-२०२०० एवं घोड़ वेतन रुपये १८०० दिनांक ०१ जनवरी, २००६ से काल्पनिक आठार पर अनुमत्य कराते हुए उसका वास्तविक लाभ/नकद मुగलान तत्कालिक प्रभाव से (दिनांक ०६ सिसम्बर, २०१०) से किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहृदय स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के अधीन प्रदान करते हैं कि इससे आर्ने वाले अतिरिक्त व्ययभार को संबंधित निकाय अपने खोरों से पहन करेंगे और इस हेतु शासन से कोई अतिरिक्त धनराशि की माँग नहीं की जायेगी।

२- मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि भविष्य में चतुर्थ श्रेणी के किसी भी पद पर (कनिष्ठ वर्ग के प्राधिकारिक पदों को छोड़ कर) नियुक्ति नहीं जायेगी तथा चतुर्थ श्रेणी के रिक्त होने वाले पदों के संबंध में केवल आउट सोर्सिंग के माध्यम से व्यवस्था की जायेगी, परन्तु उक्त व्यवस्था उत्तर प्रदेश सेवा अड्डमें मृत्यु स्वरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली १९७४ के अन्तर्गत समूह 'घ' के पदों पर की जाने वाली नियुक्ति के संबंध में लागू नहीं होगी।

३- उपर्युक्तानुसार उच्चीकृत संबंधित वेतन बैण्ड-१ रुपये ५२००-२०२०० एवं घोड़ वेतन रुपये १८०० में संबंधित कार्यक का वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-व०३०-२-१३१८/ दस-५०(एम)/ २००८, दिनांक ०८ दिसम्बर, २००८ तथा तत्काल में समय समय पर निर्णीत अन्य शासनादेशों में वर्तित व्यवस्था के अनुसार किया जायेगा।

← यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय पत्र संख्या- व०३००-२-१६६/ दस-२०११, दिनांक ०३ फरवरी, २०११ में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीप

(आलोक रंजन)

प्रमुख सचिव।

प्रांतीक रूप विनायक त्रिवेदि -

- परिसोलेप्त निनालिखित को मूर्चनार्थ एवं आवश्यक कार्यानामि तथा प्राप्तिः
- 1- ग्रामस्त्रोक्तकार, उम्र० इनाहावाद।
 - 2- समस्त ग्रामस्त्रमुखा / शिलालिखिकारी, उम्र०।
 - 3- उम्र० के समस्त नगर विकास के नगर आयुका।
 - 4- ग्रामस्त्रमाला, समस्त जल संरक्षण, उम्र०।
 - 5- वेद वास्टव के प्रति एक हस्त आलय से प्रवित कि ये कृपण उक्त शासनादेश को विवसायिण पर अपरहेठ कराने का वक्तव्य करे।
 - 6- समस्त ग्रामान्ना / शिलेशाली अधिकारी, नगर परिसका एवं नगर पंचायत उम्र०।
 - 7- विकास (वेदान्त) अनुवाद-२ / विकास (व्यष्टि नियशब्द) अनुभाग-१
 - 8- विकास (वाक्याद्य) अनुभाग-१/२
 - 9- नगर विकास संचित भाषा के समस्त अनुभाग
 - 10--> गार्ह वक्त।

आज्ञा से

(विधिन बुम्पर द्विवेदी)

विश्व सूत्रिय।